
Shri Pipacharya Ashtakam

श्रीपीपाचार्याष्टकम्

Document Information



Text title : Shri Pipacharya Ashtakam

File name : pIpAchAryAShTakam.itx

Category : deities_misc, rAmAnanda, aShTaka, gurudev

Location : doc_deities_misc

Transliterated by : Mrityunjay Pandey

Proofread by : Mrityunjay Pandey

Description/comments : From Chatuh Sampradaya Dig-Darshanm

Latest update : December 8, 2023

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

December 8, 2023

sanskritdocuments.org



श्रीपीपाचार्याष्टकम्



गाङ्गरौनगदेशं च खाचीवंशशिरोमणिम् ।
पीपाचार्यमहं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ १ ॥

रामानन्दयतीन्द्रस्य शिष्यं श्रीवैष्णवोत्तमम् ।
पीपाचार्यमहं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ २ ॥

सागरस्यान्तरे श्रीमद्वारावत्याश्च दर्शकम् ।
पीपाचार्यमहं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ३ ॥

रामानन्दमताम्भोधेर्वर्धकं विद्युमुत्तमम् ।
पीपाचार्यमहं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ४ ॥

भक्तानन्दविधातारमानन्दभाष्यचिन्तकम् ।
पीपाचार्यमहं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ५ ॥

रामभक्तिप्रपत्तिभ्यां मुक्त्यानन्दप्रदायकम् ।
पीपाचार्यमहं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ६ ॥

श्रीवैष्णवत्वकर्तारं संस्कारपञ्चकेन हि ।
पीपाचार्यमहं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ७ ॥

त्रयाणां सद्रहस्यानां बोधकं च तपस्विनम् ।
पीपाचार्यमहं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ८ ॥

इति श्रीपीपाचार्याष्टकं सम्पूर्णम् ।

Encoded and proofread by Mrityunjay Pandey

pdf was typeset on December 8, 2023

——
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

